

बाल सुरक्षा जागरूकता के लिए 1500 शिक्षक बने मास्टर ट्रेनर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संघु के निर्देश पर शुरू किए गए दो दिवसीय 'ट्रेनिंग आफ ट्रेनर्स' कार्यक्रम बृहस्पतिवार को संपन्न हो गया। पुलिस मुख्यालय में 'बाल सुरक्षा जागरूकता माह' के तहत शुरू किए गए विशेष अभियान के तहत दिल्ली के 1000 सरकारी स्कूलों के 1509 शिक्षकों को फिजिकल मोड (आमने-सामने) के जरिये मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया, जबकि अन्य स्कूलों के शिक्षकों को आनलाइन माध्यम से यह ट्रेनिंग दी गई। ये प्रशिक्षित शिक्षक अब 'मास्टर ट्रेनर' के रूप में काम करेंगे। वे अपने-अपने स्कूलों में जाकर अन्य शिक्षकों को ट्रेनिंग देंगे, जो आगे चलकर स्कूलों बच्चों के बीच बाल सुरक्षा के ज्ञान को फैलाने का मुख्य जरिया बनेंगे।



दो दिवसीय शिविर में शिक्षकों को संबोधित करती डीसीपी नेहा यादव ● सौजन्य : दिल्ली पुलिस

डीसीपी (महिला एवं बाल सुरक्षा) नेहा यादव का कहना है कि बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए समर्पित दिल्ली पुलिस की विशेष विंग महिला एवं बाल सुरक्षा ने सप्ताहांत गतिविधियों के लिए एक खास रिसोर्स मटेरियल



पुलिस मुख्यालय के आदर्श आडिटोरियम में बाल सुरक्षा के मुद्दे पर आयोजित शिविर में भाग लेते सरकारी स्कूलों के शिक्षक ● सौजन्य : दिल्ली पुलिस

(अध्ययन सामग्री) तैयार की है। वच्चे इस स्टडी मटेरियल के आधार पर घर पर अपने माता-पिता के साथ सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। स्कूल खुलने पर कक्षा में बच्चों के बीच इस विषय पर ग्रुप डिस्कशन होगा। इस अभियान में

डिजिटल युग की आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। साप्ताहिक सामग्री और जरूरी जानकारी भी आगे डिजिटल माध्यम से ही साझा की जाएगी। ट्रेनिंग के दौरान शिक्षकों को दिल्ली शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में जारी

किए गए महत्वपूर्ण सर्कुलर और दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया। उन्हें उस चेक लिस्ट के बारे में भी बताया गया, जिसका पालन जिला स्तरीय विशेष समितियों को करना है। शिक्षा विभाग, पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों को मिलाकर बनी ये विशेष समितियां अगले हफ्ते से स्कूलों का औचक और भौतिक निरीक्षण शुरू करेंगी।

बाल सुरक्षा माह के तहत बृहस्पतिवार को दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए, जिसमें 3500 से अधिक प्रतिभागियों को आत्मरक्षा की व्यावहारिक तकनीकें सिखाई गईं। शाम को इंडिया गेट के कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 250 दर्शकों के सामने आत्मरक्षा तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।